DR. ANBUMANI RAMDOSS: Sir, the number has not increased. I have very clearly said that the number has decreased from last year.

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी, मैं एक निवेदन करना चाहूंगा कि आपकी जो व्यवस्था है, इसका टी॰वी॰ पर खूब प्रचार होता है, लेकिन टी॰वी॰ पर इस बात पर प्रचार नहीं होता है कि यह बीमारी छूआछूत की नहीं है। इसकी जितनी ज्यादा पब्लिसिटी होगी, उतने ही ज्यादा रोगी उपचार केन्द्रों पर जायेंगे और लोग भी उनके उपचार में सहयोग करेंगे। इसलिए आप इसकी पब्लिसिटी ज्यादा से ज्यादा करें।

DR. ANBUMANI RAMDOSS: Yes, Sir. I would like to thank you for the suggestion. We will take up the suggestion of creating awareness and publicity. Sir, like you said, there are two types of leprosy, multi-baccillary and pauci-baccillary. It takes treatment of about six months to twelve months. And when someone is put on treatment, literally, from the first day onwards, the transmission is not there. So, the bacteria doesn't spread literally. So, the drugs are very, very effective once the treatment starts. Today, we don't have any resistance to the drug. We haven't had any case also. Sir, we will take into consideration the suggestions in this regard.

MR. CHAIRMAN: Next Question No. 345.

Venture capital fund for dairy and poultry industry

*345. SHRIMATI MOHSINA KIDWAI:†
SHRI VIJAY J. DARDA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have launched a new NABARD-sponsored venture capital fund for dairy and poultry industry with corpus of Rs. 25 crores for three years;

(b) if so, whether Government would ensure the provision of its micro-credit to individual entrepreneurs, unemployed youths, etc. percolates to tribals and other deprived sections of the society for their gainful employment; and

(c) whether the backward and tribal districts of Chhattisgarh and

† The question was actually asked on the floor of the House by Shrimati Mohsina Kidwai.

Yavatmal in Maharashtra would be identified for selective operation of this scheme for the year 2007, through NGOs or cooperative societies functioning in such districts?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir, Government has introduced a new Central Sector Plan Scheme *Viz.*, "Dairy/Poultry Venture Capital Fund" with a total outlay of Rs. 25.00 crores during 10th Five Year Plan. The scheme is being implemented through National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD).

(b) and (c) The eligible beneficiaries, under the scheme, include farmers/individual entrepreneurs and groups of all sections of unorganized as well as organized sector including co-operatives and self help groups formed by NGOs, from any part of the country including Chhattisgarh and Yavatmal in Maharashtra.

श्रीमती मोहसिना किदवई: सर, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है और मैं समझती हूं कि यह स्कीम नयी स्कीम है तथा अनऑरगनाइज्ड सेक्टर के लिए बहुत लाभदायक भी होगी। मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए कुल 25 करोड़ रुपए इस स्कीम के लिए रखे गए हैं जो नाबार्ड के थ्रू इम्प्लीमेंट होगी। लेकिन इसके नीचे जो बेनिफिशरीज़ का दायरा है, वह बहुत व्यापक है। उसमें फार्मर्स भी हैं, इनडिविजुअल्स भी हैं, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स भी हैं, कोऑपरेटिव सोसायटीज़ भी हैं। इन सारी चीजें को देखते हुए, मैं समझती हूं कि इस स्कीम के लिए यह बहुत कम है। इसके अतिरिक्त इस स्कीम की पूरी तरह से पब्लिसिटी भी नहीं हुई है, बहुत कम लोग इस स्कीम के बारे में जानते हैं। दूसरा, मैंने छत्तीसगढ़ के बारे में पूछा था। ट्राइबल्स के लिए यह स्कीम बहुत लाभदायक है जैसे मैं छत्तीसगढ़ की बात कर रही हूं। आज वहां का ट्राइबल गरीबी और बेरोज़गारी की वजह से नक्सलवाद की तरफ बढ़ रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के यवतमाल एरिया में बढ़ती हुई बेरोजगारी के लिए क्या आप कोई स्पैशल स्कीम, through this scheme, वहां चलाने की कोशिश करेंगे? दूसरा यह दायरा इतना व्यापक है और मैं समझती हूं कि 25 करोड़ रुपए इस स्कीम के लिए कुछ भी नहीं हैं।

†[محترمہ محسنہ قدوائی : سر، مانئے منتری جی نے اپنے جواب میں بتایا ہے اور میں سمجھتی ہوں کہ یہ اسکیم نئی اسکیم ہے اور ان آرگنائزڈ سیکٹر کے لئے بہت لابھدائک بھی ہوگی۔ منتری جی نے اپنے جواب میں کہا ہے کہ دسویں پنچ سالہ یوجنا کے لئے کل ۲۵ کروڑ روپے اس اسکیم کے لئے رکھے گئے ہیں تو نابارڈ کے تھرو امپلیمینٹ ہوگی۔ لیکن اس کے نیچے جو بنی فشریز کا دائرہ ہے، وہ بہت ویاپک ہے۔ اس میں فارمرس بھی ہیں، انڈیجینس بھی ہیں، سیلف ہیلپ گروپ بھی ہیں، کوآپریٹو سوسائٹیز بھی ہیں۔ ان ساری چیزوں کو دیکھتے ہوئے، میں سمجھتی ہوں کہ اس اسکیم کے لئے یہ رقم بہت کم ہے۔ اس کے علاوہ اس اسکیم کی پوری طرح سے پبلسٹی بھی نہیں ہوئی ہے، بہت کم لوگ اس اسکیم کے بارے میں جانتے ہیں۔ دوسرا، میں نے چھتیس گڑھ کے بارے میں پوچھا تھا۔ ٹرائبلس کے لئے یہ اسکیم بہت لابھدائک ہے جیسے میں چھتیس گڑھ کی بات کر رہی ہوں۔ آج وہاں کا ٹرائبل غریبی اور بیروزگاری کی وجہ سے نکسلوادکی طرف بڑھ رہا ہے۔ میں مانئے منتری جی سے پوچھنا چاہتی ہوں کہ چھتیس گڑھ اور مہاراشٹر کے یوتمال ایریا میں بڑھتی ہوئی بیروزگاری کے لئے کیا آپ کوئی اسپیشل اسکیم، وہاں چلانے کی کوشش کریں گے؟ through this scheme, دوسرا، یہ دائرہ اتنا ویاپک ہے اور میں سمجھتی ہوں کہ ۲۵ کروڑ روپے اس اسکیم کے لئے کچھ بھی نہیں ہیں۔]

श्री शरद पवार: सर, यह दसवीं पंचवर्षीय योजना का आखिरी साल है और यह स्कीम अभी मंजूर हुई है। आखिरी साल होने की वजह से इसमें ज्यादा रकम नहीं रखी गयी है। यह एक शुरुआत है और इसका एक ट्रायल हम ले रहे हैं कि इसका रिसपांस क्या मिलता है। 11वीं पंचवर्षीय योजना अगले साल शुरू हो जाएगी, तब इसके लिए ज्यादा राशि रखने की कोशिश की जाएगी। जहां तक छत्तीसगढ़ है या यवतमाल की बात की गयी है, छत्तीसगढ़ के सभी डिस्ट्रिक्ट्स और यवतमाल भी इसके लिए एलिजिबल हैं और वहां से अगर कोई प्रोपोज़ल आता है तो उन्हें मदद करने में कोई समस्या नहीं आएगी।

श्रीमती मोहसिना किदवई: महोदय, Dairying की बात कही गयी। कोऑपरेटिव सोसायटाज़ के जरिए जो डेयरीज़ चल रही हैं, खास तौर से यूपी में उसका बहुत बुरा हाल है। मैं जानना चाहती हूं कि इस स्कीम की पूरी रूपरेखा कब तक बन जाएगी क्योंकि जब तक पूरी तरह से यह मालूम न हो कि यह स्कीम कैसे चलेगी, बेनिफिशरीज़ किस तरह से आइडेंटीफाई किए जाएंगे, उस वक्त तक इसका रिसपॉंस किस तरह मिल पाएगा, इसमें मुझे शक है। दूसरा, मैं माननीय मंत्री जी से कहना चाहती हूं कि अर्बन एरियाज़ में भी बहुत गरीबी है और अर्बन एरियाज़ की गरीबी बहुत खतरनाक होती है क्योंकि उसकी वजह से वहां पर बहुत सी सोशल प्रॉब्लम्स आ जाती हैं। इसलिए क्या आपकी इस स्कीम के तहत अर्बन एरियाज़ में भी आपने किसी स्कीम को लागू करने के बारे में विचार किया है?

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

†[محترمہ محسنہ قدوائی : مہودے، Dairying کی بات کہی گئی۔ کوآپریٹو سوسائٹیز کے ذریعے جو ڈیریز چل رہی ہیں، خاص طور سے یو. پی. میں اس کا بہت برا حال ہے۔ میں جاننا چاہتی ہوں کہ اس اسکیم کی پوری روپ ریکھا کب تک بن جائے گی کیوں کہ جب تک پوری طرح سے یہ معلوم نہ ہو کہ یہ اسکیم کیسے چلے گی؟ بینی فشریز کس طرح سے آئڈینٹفائی کئے جائیں گے؟ اس وقت تک اس کا ریسپانس کس طرح مل پائے گا، اس میں مجھے شک ہے۔ دوسرا، میں مانیے منتری جی سے کہنا چاہتی ہوں کہ اربن ایریاز میں بھی بہت غریبی ہے اور اربن ایریاز کی غریبی بہت خطرناک ہوتی ہے، کیوں کہ اس کی وجہ سے وہاں پر بہت سی سوشل پرابلم آجاتی ہیں۔ اس لئے کیا آپ کی اس اسکیم کے تحت اربن ایریاز میں بھی آپ نے کسی اسکیم کو لاگو کرنے کے بارے میں وچار کیا ہے؟]†

श्री शरद पवार: सर, यह स्कीम अर्बन और रूरल दोनों के लिए है। एक बात मैं पहले यहां बताना चाहता हूं कि टोटल स्कीम क्या है, इसके बारे में छोटी सी किताब निकालकर हर बैंक में अवेलेबल कराने का काम किया गया है। जहां तक उन्होंने डेयरी के बारे में पूछा है, डेयरी की स्कीम के अंतर्गत कोई भी- चाहे कोई सेल्फ हेल्प ग्रुप हो, चाहे कोई इनडिविजुअल व्यक्ति हो, बेरोजगार हो, किसान हो, मजदूर हो- प्रोपोज़ल लेकर बैंक के सामने आ सकता है, जिसमें 10 जानवरों के लिए तीन लाख रुपए का प्रावधान इसमें किया गया है। इसके अतिरिक्त डेयरी का छोटा सा सेटअप अपने घर में लगाने के बाद, बाकी जो इनफ्रास्ट्रक्चर लगता है, उसके लिए भी इसमें सुविधाएं दी गयी हैं जैसे चनतबींम वि उपसापदह उंबीपदमए छोटा सा मिल्क कूलिंग सेंटर, cooling unit, purchase of dairy processing equipment, establishment of dairy product transportation facility including cold chain, cold storage facility for milk and milk products and establishment of private veterinary clinics. ये सभी आइटम्स इसमें आए हैं और सभी के लिए कुछ न कुछ पैसे का बंदोबस्त किया है। इस entire scheme को गवर्नमेंट डायरेक्ट इंप्लिमेंट नहीं करेगी, वह इसे थ्रू बैंक इंप्लिमेंट करने वाली है। नाबार्ड को पैसे दिए हैं। जिन राष्ट्रीयकृत बैंकों से इनके पास प्रपोज़ल आएंगे, नाबार्ड उनको पैसे देगा।

*346. [The questioner (SHRI LAXMI NARAYAN SHARMA) was absent. For answer *vide* page 35.]

†[ ]Transliteration in Urdu Script.